बेकाबू होकर जामुन के पेड़ से टकराया ट्रक

पन्ना-कटनी मार्ग में हुई घटना, एक की मौत, दूसरा गंभीर

नवभारत न्यूज

पन्ना, 23 जून। पन्ना जिले के शाहनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत कचौरी मोड़ के पास पन्ना-कटनी मार्ग पर एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। यहां जब भवानी रोड लाइंस का एक ट्रक क्रमांक सीजी 31 सी 5946 अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक विशाल जामुन के पेड़ से टकरा गया।

टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक के परखच्चे उड़ गए और चालक व परिचालक दोनों केबिन में ही बुरी तरह फंस गए। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई है, जबकि दूसरा जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहा है।

खेतों में दौड़ता हुआ पेड़ में जा घुसा ट्रक - प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक कटनी से पन्ना की ओर जा रहा था। कचौरी मोड़ के पास अचानक चालक का वाहन पर से नियंत्रण खो गया। ट्रक पहले सड़क से नीचे उतरा और कुछ दूर तक खेतों में बेकाबू होकर दौड़ता रहा। इसके बाद वह सामने स्थित एक विशाल जामुन के वृक्ष से बेहद तेज रफ्तार से टकराकर फंस गया। राहगीरों ने घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी। सूचना मिलते ही डायल 112 और शाहनगर पुलिस निरीक्षक परशुराम डाबर अपने दल-बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। केबिन में फंसे घायलों को निकालने के लिए क्रेन की मदद ली गई। पुलिस और स्थानीय लोगों ने क्रेन के सहारे कड़ी मशक्कत के बाद दोनों को सुरक्षित बाहर निकाला और तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहनगर पहुंचाया।

अस्पताल पहुंचते ही एक मृत, दूसरा कटनी रेफर

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद एक व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान शेष मणि यादव पिता बिहारी यादव, निवासी ग्राम अन्हेरा, जिला शहडोल के रूप में हुई है। वहीं गंभीर रूप से घायल परिचालक रामसजीवन यादव पिता समय लाल यादव, उम्र 21 वर्ष, निवासी बुढ़वा ब्यौहारी, जिला शहडोल को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए कटनी जिला चिकित्सालय रेफर किया गया है। घायल के कंधे और पैर में गंभीर चोटें आई हैं, जिससे उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। अस्पताल में मौजूद चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर आशीष तिवारी ने शव का पोस्टमार्टम (पीएम) कर शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। फिलहाल हादसा किन परिस्थितियों में हुआ और ट्रक के अनियंत्रित होने का असल कारण क्या था, इसका पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की बारीकी से जांच कर रही है।

जिला अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं की खुली पोल

लापरवाही पर सीएमएचओ सख्त, ड्यूटी से नदारद डॉक्टर को थमाया नोटिस

नवभारत न्यूज

पन्ना, 23 जून। जिला अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली और प्रशासनिक लापरवाही का एक बेहद गंभीर मामला सामने आया है, जहां पोस्टमॉर्टम प्रक्रिया में जानबूझकर की गई देरी और ऑन-ड्यूटी डॉक्टर की अनुपस्थिति को प्रशासन ने आड़े हाथों लिया है।

मामले पर त्वरित एक्शन लेते हुए सीएमएचओ डॉ. राजेश प्रसाद तिवारी ने ड्यूटी से गायब डॉक्टर डॉ. जितेंद्र यादव को कारण बताओ नोटिस जारी कर सख्त जवाब मांगा है। यह पूरा मामला पाडरा गांव का है, जहां निवासी एक 40 वर्षीय विधवा कुशवाहा नामक महिला ने अपने बेटे की असामयिक मृत्यु के बाद मानसिक तनाव में आकर जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया था। गंभीर हालत में उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन आपातकालीन सूचना देने के बावजूद 108 एम्बुलेंस करीब ढाई घंटे देरी से मौके पर पहुंची और इस लचर व्यवस्था के कारण महिला ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद मामला उस वक्त और अधिक गरमा गया, जब सुबह लगभग 9 बजे मृतका के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल लाया गया। परिजनों का आरोप है कि ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर डॉ. जितेंद्र यादव बिना किसी पूर्व सूचना के न केवल गायब थे, बल्कि उनका मोबाइल फोन भी बंद आ रहा था, जिसके चलते पीड़ित परिजनों को करीब तीन घंटे तक अस्पताल में भटकना पड़ा और वहां हंगामे की स्थिति निर्मित हो गई। प्रशासन ने बाद में आनन-फानन में दूसरे डॉक्टर की व्यवस्था कर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए सीएमएचओ डॉ. राजेश प्रसाद तिवारी ने स्पष्ट किया है कि संबंधित डॉक्टर को तत्काल कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया गया है और यदि उनका जवाब संतोषजनक नहीं पाया गया, तो सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को प्रस्ताव भेजा जाएगा क्योंकि व्यवस्था में ऐसी लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कलेक्टर की जनसुनवाई में आए 44 आवेदन

नवभारत न्यूज

पन्ना, 23 जून। जिला मुख्यालय पर कलेक्टर कार्यालय में मंगलवार को संपन्न हुई जनसुनवाई में 44 आम लोगों की समस्याओं को सुनकर निराकरण किया गया।

जनसुनवाई में कलेक्टर ऊषा परमार, अपर कलेक्टर मधुवंतराव धुर्वे, तहसीलदार अखिलेश प्रजापति सहित अन्य विभागीय अधिकारियों ने आवेदकों की समस्याएं सुनकर निराकृत कीं। शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक मंगलवार को जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इसी कड़ी में आज जनसुनवाई हुई।

बदलाव : धन से सत्ता और सत्ता से धन का सर्कस मात्र रह गई राजनीति

जिले के जनप्रतिनिधि कहां थे कहां पहुंच गए सब सामने

नवभारत न्यूज

पन्ना, 23 जून। अब इसमें कोई संदेह नहीं रह गया है की राजनीति पैसे का खेल है। धन से सत्ता, सत्ता से धन का सर्कस खुलेआम देखा जाने लगा है। वर्तमान विधानसभा के निर्वाचन में मतदाताओं का रुझान प्रत्याशी की योग्यता, उसकी सामाजिक सेवा से ज्यादा उसकी आर्थिक उदारता पर रही कि कौन कितना शराब और नगदी बंटवा सकता है और कितना प्रभावशाली एवं अपराधी है।

प्रशासन की शक्ति के बावजूद भी लगभग प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में इसका खुला प्रयोग हुआ। प्रशासनिक योजना के तहत भले ही शराब की दुकान बंद रही, किंतु नशेड़ियों की व्यवस्था सामाजिक भाईचारे की तरह हर जगह उपलब्ध रही। यहां की स्थिति को देखें तो लोकतंत्र जो अब तक जातिवाद का शिकार रहा अब वह धनवाद के शिकंजे में भी फसने लगा है। अब तो प्रत्याशी के चयन में भी उसकी आर्थिक हालात और आर्थिक उदारता को नजरअंदाज नहीं किया जा रहा है। अपने प्रत्याशी के पक्ष में अनेक संगठनों के लोग भी चुनाव प्रचार करने के लिए साधन सुविधा के लिए प्रत्याशी पर ही निर्भर रहे हैं।

इस बार के चुनाव में मतदाताओं की जुबान कुछ ज्यादा ही लंबी दिखी। इसका प्रमुख कारण गत वर्ष ही क्षेत्र में संपन्न हुए ग्राम पंचायत एवं नगरी क्षेत्र का चुनाव रहा। ग्राम पंचायत एवं नगरी चुनाव में प्रत्याशियों का दायरा पंच, सरपंच, वार्ड पार्षद एवं नगर अध्यक्ष तक ही सीमित रहा इसलिए मतदाताओं को मतदान के बदले खुले आम धन-दान मिला। कुछ मतदाताओं ने तो कई प्रत्याशियों के उदारता का लाभ एक साथ उठाया। मुंह में लगी वही रकम के हिसाब से विधानसभा चुनाव में भी वही मांग होती रही। भाजपा ने जहां अपने मंचों से विकास की बात कही वहीं कांग्रेस ने प्रदेश में बढ़ रहे भ्रष्टाचार को आधार बनाया।

उससे भी बढ़कर यह चुनाव सीधे-सीधे धन के प्रलोभन पर लड़ा गया, जिसमें लाडली बहना को लाभान्वित करने, किसानों को सुविधा देने से लेकर सरकारी धन को किसी न किसी रूप में खुले आम लूटने की घोषणाएं समाज सेवा के नाम पर होती रही। महंगाई भ्रष्टाचार बेरोजगारी तो मुद्दा ही नहीं बन पाया। आजादी के बाद से राजनीतिक विचारधाराओं में अब तक गांधीवाद, लोहियावाद, समाजवाद, राष्ट्रवाद, संप्रदायवाद, जातिवाद जैसे वाद (विषय) से धनवाद (धन का प्रयोग) खुले आम देखकर लगता है कि गरीबी, महंगाई, बेरोजगारी, स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा, समानता, साम्मान आदि से ऊपर उठकर चुनाव में मतदाताओं को सीधे धन से प्रभावित किया जा सकता है, और यह खेल चुनाव में साफ-साफ देखने को मिला है। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए धनवाद के प्रभाव पर चिंतक, विचारक एवं शीर्ष नेतृत्व को विचार करना होगा कि भारत देश में आजादी और स्वस्थ लोकतंत्र को कैसे बचाया जा सके।

भरत तिवारी अमर रहे के नारों के साथ राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

नवभारत न्यूज

पन्ना, 23 जून।बिहार में भरत तिवारी के तथाकथित एनकाउंटर मामले ने तूल पकड़ लिया है, जिसके विरोध में पन्ना के विभिन्न सामाजिक संगठनों ने लामबंद होकर न्याय की गुहार लगाई है। अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद, सर्व ब्राह्मण समाज, जिला अधिवक्ता संघ पन्ना तथा अन्य संगठनों के एक संयुक्त प्रतिनिधि मंडल द्वारा राष्ट्रपति महोदया के नाम एक ज्ञापन कलेक्टर पन्ना को सौंपा गया।

इस ज्ञापन के माध्यम से संगठनों ने भरत तिवारी की तथाकथित एनकाउंटर हत्या के दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ उच्चस्तरीय जांच कराने और उन्हें सख्त से सख्त दंड दिए जाने की मांग की है। कलेक्टर भवन के मुख्य द्वार पर एकत्रित हुए विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने भरत तिवारी अमर रहे के जोरदार नारे लगाकर अपना आक्रोश व्यक्त किया और प्रशासन को चेतावनी दी कि यदि इस मामले में शीघ्र ही कोई ठोस और निष्पक्ष कार्यवाही नहीं की गई, तो वे एक बड़े और दीर्घकालीन आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। इस विरोध प्रदर्शन और ज्ञापन सौंपने के दौरान भारी संख्या में लोग और प्रमुख पदाधिकारी मौजूद रहे। उपस्थित रहने वालों में मुख्य रूप से अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एस कुमार चनपुरिया, जिला संरक्षक आर डी शुक्ला, जिला अध्यक्ष राजीव तिवारी, सर्व ब्राह्मण समाज के जिला अध्यक्ष श्री राम रिछारिया और पन्ना बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश तिवारी शामिल थे। इनके साथ ही राजेश अवस्थी, भागवत मिश्रा, विनयकांत पाण्डेय, प्रकाश मिश्रा, अनंत चतुर्वेदी, रमेश तिवारी, दिनेश दुबे, अश्विनी पाण्डेय, पुष्पेंद्र प्यासी, संदीप पाण्डेय, रामनरेश उपाध्याय सहित कुछ महिला अधिवक्ता और बड़ी संख्या में विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

एनएच-39 पर अनियंत्रित होकर पलटा तेज रफ्तार ट्राला

कूदकर बची चालक-हेल्पर की जान

नवभारत न्यूज

पन्ना, 23 जून। पन्ना-सतना नेशनल हाईवे-39 पर सोमवार को एक बड़ा सड़क हादसा सामने आया है, जहां सकरिया के पास एक तेज रफ्तार ट्राला अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया।

इस भीषण हादसे में ट्राले के परखच्चे उड़ गए, लेकिन गनीमत यह रही कि समय रहते चालक और हेल्पर ने सूझबूझ दिखाई और चलती गाड़ी से छलांग लगा दी, जिससे दोनों की जान बाल-बाल बच गई। प्रत्यक्षदर्शी वीरेंद्र यादव के अनुसार, ट्राला क्रमांक एमपी 40 जीए 0107 हाईवे पर बेहद तेज गति से दौड़ रहा था और इसी दौरान चालक ने वाहन पर से अपना नियंत्रण खो दिया, जिसके कारण यह भारी-भरकम वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया और हादसे में गाड़ी को भारी नुकसान पहुंचा है।

जानकारी के मुताबिक, जैसे ही चालक और हेल्पर को वाहन के अनियंत्रित होने का आभास हुआ, उन्होंने तुरंत सूझबूझ का परिचय देते हुए चलती गाड़ी से छलांग लगा दी, जिसके कारण उन्हें इस भीषण दुर्घटना में महज मामूली चोटें ही आई हैं। हादसे के तुरंत बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई और घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने भी मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि ट्राला कहां से आ रहा था और किस दिशा की ओर जा रहा था। फिलहाल पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेते हुए दुर्घटना के असल कारणों की जांच शुरू कर दी है।

टमाटर बेचने के विवाद पर युवक को बेरहमी से पीटा

नवभारत न्यूज

पन्ना, 23 जून। मध्यप्रदेश के पन्ना जिले के धरमपुर थाना क्षेत्र के छतैनी गांव में टमाटर के दाम को लेकर शुरू हुआ एक मामूली विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया।

सब्जी के बढ़े हुए दाम का विरोध करने पर एक 30 वर्षीय युवक पर लाठी-डंडों से जानलेवा हमला किया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने इस मामले में पांच आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

घर में घुसकर लाठी-डंडों से किया हमला - आरोप है कि कुछ ही देर बाद आरोपी प्रहलाद कोरी अपने साथियों रामबाबू कोरी, राजा कोरी, रामकरण कोरी और मुन्नी कोरी के साथ लाठी-डंडे लेकर हेतराम के घर के अंदर घुस गया। आरोपियों ने वहां आते ही गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। इस हमले में हेतराम के सिर पर गंभीर चोट आई, जिससे उसका काफी खून बह गया। घटना के दौरान बीच-बचाव करने पहुंचे परिजनों को भी आरोपियों द्वारा जान से मारने की धमकी देने की बात सामने आई है।

दोनों पक्षों की शिकायत पर मामला दर्ज

धरमपुर थाना प्रभारी ने बताया कि घायल हेतराम कोरी की शिकायत पर प्रहलाद कोरी, रामबाबू कोरी, राजा कोरी, रामकरण कोरी और मुन्नी कोरी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। वहीं दूसरी तरफ से भी एक शिकायत मिली है, जिसके आधार पर क्रॉस प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस पूरे मामले की बारीकी से जांच कर रही है और जांच के आधार पर ही आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

इस वर्ष ग्लास ब्रिज के कारण उमड़ेगी भारी भीड़

अनहोनी रोकने के लिए विशेष सैनिकों की होगी तैनाती

नवभारत न्यूज

पन्ना, 23 जून। पहाड़ीखेरा स्थित प्रसिद्ध दर्शनीय स्थल और देवगुरु बृहस्पति की तपोस्थली वृहस्पति कुंड में इस वर्ष वर्षा ऋतु के दौरान सैलानियों की सुरक्षा के लिए जिला व पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद हो गया है।

विगत वर्षों में यहाँ हुई जनहानि और दुर्घटनाओं से सबक लेते हुए प्रशासन इस बार पहले से ही सतर्कता बरत रहा है, ताकि कोई अप्रिय घटना घटित न हो सके।

करोड़ों की लागत से बने ग्लास ब्रिज के कारण पर्यटकों की संख्या बढ़ने की उम्मीद- प्रदेश सरकार द्वारा पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बृहस्पति कुंड में करोड़ों रुपये की लागत से एक भव्य ग्लास ब्रिज का निर्माण कराया गया है। इसका निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद से ही सैलानियों में भारी उत्साह है। हालांकि अभी बारिश शुरू नहीं हुई है, फिर भी लोग इसे देखने पहुँच रहे हैं। मानसून की दस्तक के बाद यहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य और मनोरम दृश्य देखने के लिए हर साल हजारों की संख्या में दर्शनार्थी और पर्यटक उमड़ते हैं। इस वर्ष ग्लास ब्रिज चालू होने के कारण पर्यटकों की संख्या कई गुना बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

डिजास्टर मैनेजमेंट की ट्रेनिंग ले रहे सैनिक, कुंड के नीचे करेंगे गश्त -सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद करने के लिए पुलिस चौकी पहाड़ीखेरा में तैनात सैनिक रामायण प्रसाद सिंगरौल और सैनिक राजाराम साहू को विशेष रूप से पन्ना जिला मुख्यालय पर आपदा प्रबंधन (डिजास्टर मैनेजमेंट) का कड़ा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, प्रशिक्षण पूरा होने के बाद इन दोनों सैनिकों की ड्यूटी बृहस्पति कुंड के निचले हिस्से में गश्त के लिए लगाई जाएगी, जिससे वे हर गतिविधि पर नजर रख सकें और किसी भी संभावित हादसे को तुरंत रोक सकें।

24 घंटे चालू रहेंगे संपर्क सूत्र, मदद के लिए तुरंत करें फोन - प्रशासन द्वारा पर्यटकों की सुविधा और त्वरित सुरक्षा सहायता के लिए इन दोनों प्रशिक्षित सैनिकों के मोबाइल नंबर जारी किए गए हैं। ये नंबर 24 घंटे चालू रहेंगे। यदि किसी भी पर्यटक को कुंड परिसर में कोई खतरा महसूस होता है या किसी अनहोनी की आशंका होती है।

सूद पर कर्ज लेना बना जिंदगी भर का रोना

नवभारत न्यूज

पन्ना, 23 जून। नगर में सूदखोरों का मकडजाल लगातार दलालों के माध्यम से बढ़ता जा रहा है। खुशहाल जिंदगी के लिए एक बार सूद पर रुपये कर्ज लेने वाले ताउम्र रोना पडता है कर्ज लेने वाला ऊपर चला जाता है लेकिन कर्ज नहीं खत्म होता है। कर्जदार के बाद उसका बेटा कर्ज चुकाते चुकाते बूढा हो जाता है।

आमतौर पर 2-3 प्रतिशत में लगने वाला ब्याज इन दिनों 20 से 30 प्रतिशत सूदखोर गिरोह वसूला रहा है इस गिरोह के दलाल हर गली मोहल्ले में गरीबों को डायरी का पैसा लेने प्रेरित करते हैं गारंटर भी यहीं होते हैं इसके एवज में मोटा कमीशन मिलता हैं गरीब पोस्ट डेटेड चेक लेकर सूदखोर उन्हें अनैतिक ब्याज पर रकम दे रहे हैं।

मंडियों एवं छोटी छोटी बस्तियों में बडे पैमाने पर चलता है खेलः- सब्जी बेचने वाले, रिक्शा चलाने वाले, फड लगाने वाले, मजदूर, सफाई कर्मचारी और अन्य गरीब तबके के लोगों को सूदखोर व इनके दलाल पहले लालच देकर जाल में फंसाते हैं। उदाहरण के रूप में यदि कोई सूदखोर से 100 रुपये कर्ज मांगता है तो सूदखोर उसे सिर्फ 80 रुपये देगा। लेकिन वह कर्जदार से 100 वसूलेगा। इसे ऐस भी समझ सकते हैं मान लीजिए आपने सूदखोर से 9 हजार रुपये कर्ज लिया हो। तो आपको 12 हजार रुपये चार माह में 100 रुपये रोजाना के हिसाब से लौटाने होंगे। यदि एक दिन 100 रुपये लौटाने में देर हुई तो पेनाल्टी सहित यह रकम 200 रुपये हो जागी। 200 के बाद फिर पेनाल्टी इसी तरह 400-800 के क्रम में बढती रहेगी।

डायरी डायन खाए जात है

सूदखोरी का गणित कुछ ऐसे समझिए कि बैंक में जमा किया गया धन भले ही आठ साल में दोगुना होता हो लेकिन सूदखोर जो रुपये देता है वह सिर्फ कुछ माह में दोगुना हो जाता है। यानी 90 दिन में मूल रकम के बराबर एक और रकम तैयार हो जाती है। सूदखोरों के खेल में ज्यादातर ऐसे लोग फंसते हैं जो ऊपर तक अपनी आवाज नहीं पहुंचा पाते हैं। इनमें वसूली करना सूदखोरों के लिए कोई मुश्किल काम नहीं होता है।

पीएलआई-आरपीएलआई लॉग इन डे महाभियान कल

पन्ना, 23 जून। भारतीय डाक विभाग द्वारा आमजन और ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को न्यूनतम प्रीमियम पर सुरक्षित एवं अधिक बोनस वाली कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से एक विशेष पहल की जा रही है। सतना डाक संभाग के अंतर्गत 25 जून को संभागीय स्तर पर वृहद पीएलआई-आरपीएलआई लॉग इन डे महाभियान का आयोजन किया जा रहा है। अधीक्षक डाकघर, सतना संभाग ने इस विशेष अभियान के सुचारू संचालन हेतु संभाग के समस्त डाकघरों में विशेष काउंटर्स स्थापित कराएं जाएगें। काउंटर्स पर आने वाले पात्र नागरिकों की डाक जीवन बीमा और ग्रामीण डाक जीवन बीमा पॉलिसियाँ मौके पर ही स्वीकृत कर जारी की जाएंगी। सतना डाक संभाग के अधीक्षक ने पन्ना सहित संपूर्ण संभाग के नागरिकों से इस महाभियान का अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की है।

सुश्री आकांक्षा रावत ने संभाला जिला शिक्षा अधिकारी का पदभार

कलेक्टर से की सौजन्य भेंट

नवभारत न्यूज

पन्ना, 23 जून। मध्य प्रदेश शासन, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी स्थानांतरण आदेश के परिपालन में सहायक संचालक सुश्री आकांक्षा रावत ने मंगलवार को पन्ना जिले के जिला शिक्षा अधिकारी के रूप में पदभार ग्रहण किया।

सुश्री रावत पूर्व में अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक, छतरपुर के पद पर पदस्थ थीं। शासन द्वारा उन्हें सहायक संचालक, कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी, पन्ना में पदस्थ करने के साथ जिला शिक्षा अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार अस्थाई रूप से सौंपा गया है।

पदभार ग्रहण करने के बाद सुश्री आकांक्षा रावत ने कलेक्टर श्रीमती उषा परमार से सौजन्य भेंट कर जिले में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

डिस्पोजल ने छीन लिया गरीबों की रोजी-रोटी का साधन

नवभारत न्यूज

पन्ना 23 जून। हमारे बुजुर्ग डिस्पोजल, सिल्वर एवं स्टील के बर्तनों में भोजन करना उचित नही मानते थे। उनका मानना था कि ऐसे बर्तनों में भोजन करने से रोग फैलते है। इसलिए डिस्पोजल आदि के बर्तनों को उन्होने अपवित्र बताया था। उत्सवों के दौरान पवित्र बर्तनों की कमी होने की वजह से दोना-पत्तल का उपयोग शुद्ध सुविधा जनक माना जाता था।

कहीं-कहीं आज भी शादी विवाह में दोना-पत्तल का ही उपयोग किया जाता है। आजकल पाश्चात्य सभ्यता ने इस संस्कृति को दबाकर रख दिया है। दोना-पत्तल बनाना जहां बारी जाति के लोग अपना पुस्तैनी धंधा मानते थे वहीं इसी के सहारे अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। बदलाव के इस दौर में दोना-पत्तल को पूरी तरह से डिस्पोजल ने दरकिनार कर दिया है। इससे लोगों का रोजगार ही नहीं छिना है बल्कि इस व्यवसाय से जुड़े अन्य वर्ग के गरीब लोगों का धंधा ही बंद होने की कगर पर आ गया है। उल्लेखनीय है कि दोना-पत्तलों को उत्सव वाले घरों में पहुंचाया करते थे और दोना-पत्तल के दाम के बदले मालिक से कपड़ा, बर्तन आदि सामग्री लिया करते थे। गरीबी की मार झेल रहे अन्य जाति के कुछ लोगों ने भी इसी व्यवसाय को अपना लिया था। सुबह से उठकर जंगलों में जाकर पलाश के पत्ते को तोड़ना कड़ी मेहनत के डिजाइनदार दोना-पत्तल तैयार करते थे। ये लोग बाजार या उत्सव वाले घर में जाकर मांग के अनुसार दोना-पत्तल उपलब्ध कराते थे। यही इनकी आजीविका का साधन था। आज इस बदले दौर में डिस्पोजल के बढ़ते प्रचलन से दोना-पत्तल की मांग कमजोर होने से लगभग सभी जगह दोना-पत्तल का उपयोग बंद होने की कगार पर आ गया है। वहीं डिस्पोजल के बढ़ते उपयोग को बड़े-बुजुर्ग ठीक नहीं समझते। वास्तव में डिस्पोजल के उपयोग से कई तरह की हानि पहुंच रही है।

उचित नहीं है डिस्पोजल का प्रचलन- सामाजिक व बुजुर्गो की रीति के मुताबिक डिस्पोजल का उपयोग खानपान के लिये किया जाना उचित नहीं है। पकवान भले ही कितना ही स्वादिस्ट हो लेकिन डिस्पोजल की बात से पकवान का स्वाद फीका पड़ ताजा है। शायद यही वजह है कि समाज के बुजुर्ग लोग डिस्पोजल, स्टील एवं सिल्वर बर्तन में भोजन करना उचित नहीं मानते है।

मवेशियों में फैलती है बीमारी

लोग डिस्पोजल के पात्रों में भोजन करने के बाद उसे घर के आसपास फेंक देते है। जूठे डिस्पोजल को मवेशी पूरी तरह से निगल जाते है और उसे पचाने में अक्षम हो जाते है। मवेशियों के पेट में पड़े डिस्पोजल की वजह से वे धीरे-धीरे बीमार हो जाते है तथा भूसा-चारा खाना छोड़ देते है। पशु चिकित्सक भी उनके वास्तविक मर्ज को नहीं समझ पाते है। अंतत: पशु की मौत हो जाती है।